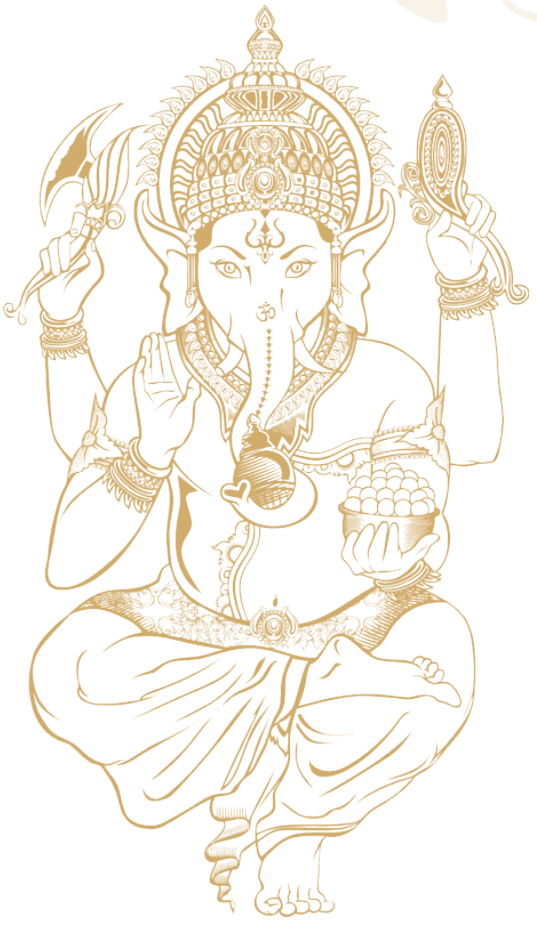

Ashish b

Ritu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121803603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/08/1984	जन्म तिथि	26/02/1989
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 14:20:00	जन्म समय	11:45:00 घंटे
घटी 20:12:51	जन्म समय(घटी)	11:53:50 घटी
India	देश	India
Ulhasnagar	स्थान	Dinhata
19:13:00 उत्तर	अक्षांश	26:07:00 उत्तर
73:07:00 पूर्व	रेखांश	89:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:37:32	स्थानिक संस्कार	00:28:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:14:51	सूर्योदय	05:58:31
19:12:09	सूर्यास्त	17:31:09
23:38:16	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 2मा 20दि	08:38:30	वृश्चि	लग्न	वृष	28:30:53	राहु 6वर्ष 10मा 19दि
शनि	17:33:09	कर्क	सूर्य	कुंभ	13:55:15	शनि
23/10/2016	07:59:02	तुला	चंद्र	तुला	14:53:59	16/01/2012
24/10/2035	29:17:06	तुला	मंगल	मेष	28:21:59	16/01/2031
शनि 27/10/2019	14:37:02	सिंह	बुध	मक	18:34:57	शनि 19/01/2015
बुध 06/07/2022	10:34:30	धनु व	गुरु	वृष	04:36:31	बुध 28/09/2017
केतु 15/08/2023	00:53:05	सिंह	शुक्र	कुंभ	04:29:05	केतु 07/11/2018
शुक्र 15/10/2026	16:25:26	तुला	शनि	धनु	17:47:42	शुक्र 06/01/2022
सूर्य 26/09/2027	10:30:27	वृष व	राहु व	कुंभ	11:09:30	सूर्य 19/12/2022
चन्द्र 27/04/2029	10:30:27	वृश्चि व	केतु व	सिंह	11:09:30	चन्द्र 20/07/2024
मंगल 06/06/2030	15:59:15	वृश्चि व	हर्ष	धनु	10:52:24	मंगल 28/08/2025
राहु 12/04/2033	05:22:34	धनु व	नेप	धनु	18:05:07	राहु 04/07/2028
गुरु 24/10/2035	05:51:12	तुला	प्लूटो व	तुला	21:27:09	गुरु 16/01/2031

लग्न-चलित

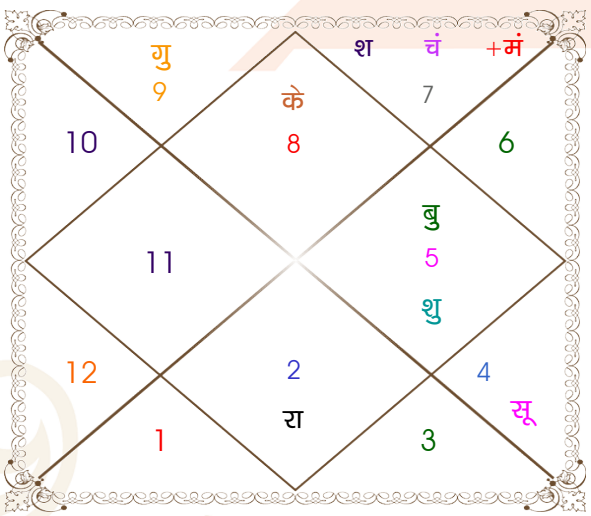

लग्न-चलित

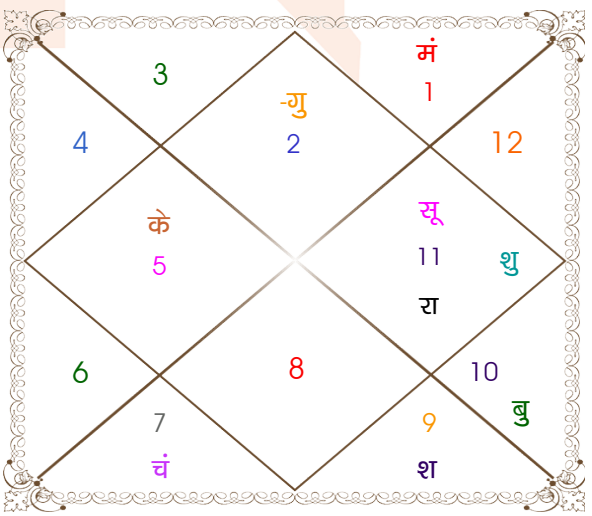

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Ashish b का वर्ग मृग है तथा Ritu का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish b और Ritu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish b मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ashish b कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Ashish b कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ritu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।

द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ritu कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ritu कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ashish b कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ashish b तथा Ritu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।